हमारे दैनिक जीवन में भगवान की क्या जरूरत है?
हर एक को खुशी की तलाश क्यों है?

हिंदू उत्तर देता है, 'ईश्वर ही असीम आनंद है। हम जो खुशी चाहते है वही भगवान है। आत्मा जो भगवान से निकलती है लेकिन हमेशा जड माया के आवरण में होने के कारण चैतन्य आनंद से या भगवान से दूर है, वो आत्मा भगवान के साथ पुनर्मिलन करने की कोशिश करती है।' इस प्रकार हर कोई खुशी ही चाहता है। विश्व का प्रत्येक जीव खुशी के अलावा कुछ चाह ही नही सकता। बाकी सब जैसे पैसा, रूप, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि आदि उसी खुशी के लिये चाहता है लकिन ये सब सीमित सुख देते है जबकि जीव अनंत भगवान का अंश होने के कारण अनंत, असीम, चिरकालीन सुख चाहता है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

जब तक और असीम सुख की तलाश नहीं होगी, तब तक खोज समाप्त नहीं होगी। इसलिए भगवान की बहुत जरूरत है। भगवान के बिना कोई भी पूर्ण नहीं हो सकता। इस प्रकार हम सभी को भगवान को पाने की कोशिश करनी चाहिए।

इस्लाम भगवान की भक्ति के लिए कोई तार्किक आधार प्रदान नहीं करता है, हिंदू करता है।

किसी भी कार्य का कोई ना कोई मकसद होता है और वह खुशी हासिल करना है ।कुछ दार्शनिक मानते है कि हमारे जीवन के पाँच उद्देश्य हैं जिसके लिये प्रत्येक जीव अनंत काल से कार्यरत है। वे है-

1. सुख
2. जीवन
3. ज्ञान
4. स्वतंत्रता
5. शासन करना

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

सुख सर्वोच्च है। अन्य सभी स्वीकार्य हैं जब तक वे खुशी लाते हैं। जैसे यदि ये निश्चय हो जाये कि इस जीवन में सुख नही मिल सकता तो मनुष्य निराशावश आत्महत्या की सोचता है। ज्ञान पाने में जब तक खुशी मिलती है तभी तक आदमी ज्ञान के पीछे रहता है। स्वतंत्रता, शासन करना इसी प्रकार है। उदाहरण के लिए चीन में सैनिकों ने स्वतंत्रता आंदोलन करने वालों को इस प्रकार तिएन्नाम चौराहे पर रौंदा कि स्वतंत्रता का वहा कोई नाम नही लेता ।

मन ख़ुशी की तलाश में कोई भी कार्रवाई शुरू करता है। क्षणभंगुर खुशी मिलती भी है। थोडी देर में वह खुशी खो जाती है। फिर से खुशी मांगी जाती है, फिर से अन्य कार्रवाई की जाती है, फिर से खुशी मिलती है, फिर से खो जाती है। चक्र जारी है। इस चक्र में अनेक दुःख एवं यातनाओं का सामना करना पडता है जो कि कोई नही चाहता।

इन सब मृत्यु आदि दुःखों से छुटकारा पाने तथा अनंत काल के लिये उस अनंत आनंद से युक्त होने के लिए जो भगवान के पास है, भगवद् भक्ति के अलावा और कोई मार्ग नही है।